विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 30 अंक: 22	जयपुर 16 मई, 2016	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

दिव्यांग सहायता योजना की लोकप्रियता बढ़ी:गहलोत

नयी दिल्ली। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि केन्द्र ने दिव्यांग सहायता योजना को पारदर्शी बनाया है और योजना को मिली व्यापक प्रतिक्रिया और सफलता ने मंत्रालय की इस पहल की लोकप्रियता बढ़ाई है।

गहलोत ने यहां दिव्यांग लोगों को सहायता और सहायक उपकरण वितरित करने के मौके पर रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत मोदी और एक दिव्यांग बच्चे के साथ हुई हाल की बातचीत को याद करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली के जरिए हाशिये पर धकेल दिए गए लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एएलआईएमसीओ के जर्मनी की ओट्टोबॉक और ब्रिटेन की मोटिवेशन निर्माता कंपनियों के साथ सक्रिय सहयोग से सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के लक्ष्य को हासिल किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री और चांदनी चौक से सांसद हर्षवर्धन ने शिविर के सफल आयोजन के लिए सामाजिक न्याय विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए यहां दूसरा दिव्यांग सहायता शिविर आयोजित करने पर अपने निर्वाचन क्षेत्र की तरफ से आभार व्यक्त किया।

हर्षवर्धन ने कहा कि इस शिविर से दिव्यांग लोगों को फायदा होगा और उन्हें उन कठिनाइयों से पार पाने में मदद मिलेगी, जिनका वे अपने दैनिक जीवन में सामना कर रहे हैं। उन्होंने इस पवित्र उद्देश्य में अपनी सांसद निधि से योगदान करने का भी वादा किया।

'आधार' के मुताबिक आंध्र में सबसे ज्यादा किन्नर

नयी दिल्ली। देश में आधार कार्ड में पंजीकृत किन्नरों की संख्या 41 हजार से ज्यादा है जिसमें से सबसे ज्यादा किन्नर आंध्र प्रदेश में है। भारत सरकार की तरफ से विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की तरफ से जारी इस 12 अंकों की व्यक्तिगत पहचान संख्या 'आधार' के मुताबिक देश में 41,033 किन्नर हैं जिनके पास आधार कार्ड है। वहीं राज्यों में सबसे ज्यादा किन्नर आंध्र प्रदेश में है जहां 7681 किन्नरों के पास आधार कार्ड है। पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में क्रमश: 4930 और 3622 किन्नरों के पास आधार कार्ड हैं।

वही दूसरी तरफ इस मामले में पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर, अरुणाचल और असम में क्रमश: 2, 3 और 4 किन्नरों के पास ही आधार कार्ड हैं। सरकार ने कहा है कि तीसरे लिंग के व्यक्ति को आधार कार्ड धारक होने का पूरा अधिकार है। इसके लिए दाखिले के समय लिंग चयन के लिए पुरुष और महिला के अलावा 'ट्रांसजेंडर (किन्नर)' का विकल्प दिया जाता है।

ट्रेन में दृष्टिहीन भी पढ़ सकेंगे सीट के नंबर, ब्रेल लिपि में लिखे जाएंगे

जोधपुर। अब दृष्टिहीनयात्री भी कोच में अपनी सीट का नंबर आसानी से पढ़ पाएंगे। रेलवे प्रशासन जल्द ही सभी ट्रेनों के कोच में ब्रेल लिपि से सीट नंबर व अन्य जानकारियां लिखवाएगा। जिसे छूकर दृष्टिहीन व्यक्ति यह पता लगा सकेगा कि यह सीट उसकी है या नहीं।

व्हील चेयर भेंट: विकलांग शिक्षण सेवा संस्थान जोधपुर द्वारा एक नि:शक्तजन को व्हील चेयर भेंट की गई। संस्थान के अध्यक्ष जवान बेन गोस्वामी ने बताया कि समाजसेवियों के सहयोग से एक दिव्यांग को व्हील चेयर प्रदान की गई।

रोडवेज में अब दिव्यांग को मिलेगी सीट

जयपुर/नागौर। राजस्थान परिवहन निगम की बसों में सफर करने वाले दिव्यांगों को अब बुकिंग खिड़की पर ही टिकट देकर सीट आवंटित की जाएगी। दिव्यांग के बस में खड़े होकर यात्रा करते पाए जाने पर बुकिंग के पत्र वितरक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निगम ने यह निर्णय इस तरह की शिकायत मिलने पर लिया है कि दिव्यांगों को बस स्टेण्ड पर बुकिंग विन्डो से टिकट बनाकर नहीं दिया जाता, उन्हें बस के अंदर ही टिकट लेना पड़ता है। बस के अंदर टिकट लेने के कारण पहले से ही सीट बुक होने के कारण उन्हें खड़े रहकर यात्रा करनी पड़ती है।

चौपालों में बैठने पर दिल से बनती हैं योजनाएं:रमन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने कहा है कि आम जनता के लिए सरकार की योजनाएं मंत्रालय के वातानुकूलित कमरों में दिमाग से तो बन सकती हैं, लेकिन जब हम चौपालों में गांव वालों के बीच बैठकर योजनाएं बनाते हैं तो ऐसी योजनाएं न सिर्फ दिमाग से बल्कि दिल से बनती हैं।

डा.सिंह ने आज आकाशवाणी से प्रसारित अपनी मासिक 'रमन के गोठ' की 9वीं कड़ी में प्रदेश व्यापी लोक सुराज अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि चौपालों में होने वाली चर्चाएं हमारे लिए भविष्य का एजेंडा बन जाती हैं, जिनका हम शत-प्रतिशत पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि हमने जितनी भी योजनाएं चौपालों में बनाई हैं, उन्हें अच्छी सफलता मिली है। अब तक ऐसी सबसे सफल योजनाओं में मुख्यमंत्री बाल हृदय सुरक्षा योजना, चावल उत्सव, लघु वनोपजों की खरीदी और तेन्दूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका वितरण उल्लेखनीय हैं।

उन्होंने कहा इस गर्मी में गांवों में जाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की भी हिम्मत और हौसला बढ़ाने के लिए हमने तय किया कि मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री, विधायक, सांसद और जिला पंचायत के सदस्य तथा मुख्य सचिव से लेकर सभी अधिकारी भी लोक सुराज अभियान के दौरान गांवों में जाएंगे। डॉ.सिंह ने कहा कि इस अभियान के तहत ब्लॉक मुख्यालयों और जिलों में होने वाली समीक्षाओं में भी नई योजनाओं का जन्म होता है। स्वयं के काम-काज का आंकलन करने की दृष्टि से भी यह अभियान सबसे बड़ा जरिया है कि हम कहां असफल रहे, किन योजनाओं में हम पीछे हैं और उनके क्रियान्वयन में निचले स्तर पर क्या कमियां हैं। उन कमियों को दूर करने का यह एक बेहतर उपाय है। मुख्यमंत्री ने रमन के गोठ में इस बार के लोक सुराज अभियान के अपने बस्तर अंचल के दौरे की कई यादगार घटनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हमने गरीबों को चावल देने की योजना शुरू की और जब उन्हें चावल बांटते हैं तो लोगों को पता नहीं कितनी खुशी होती है, लेकिन दंतेवाड़ा जिले के ग्राम कारली में किसानों ने जब मुझे कांवर और पोटली में जैविक खेती का चावल भेंट किया तो मैं भावुक हो गया और मुझे लगा कि छत्तीसगढ़ के किसानों का परिश्रम है और उनकी आत्मीयता है। मुख्यमंत्री ने ग्राम कारली में 'मोचोबाड़ी' योजना के तहत किसानों के समूह द्वारा की जा रही जैविक खेती की जमकर तारीफ की।

उन्होंने रेडियो प्रसारण में प्रदेश नक्सल हिंसा पीड़ित सुकमा जिले के भेज्जी-इंजरम मार्ग में लोक सुराज अभियान के तहत मोटर साईकिल से सड़क निरीक्षण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण में सुरक्षा देने वाले हमारे सात जवान शहीद हुए।

विचार मंच

रहिमन ओछे नरन से, बैर भली ना प्रीत।
काटे चाटे स्वान के, दोउ भाँति विपरीत॥

अर्थ: कम दिमाग के व्यक्तियों से ना तो प्रीती और ना ही दुश्मनी अच्छी होती है। जैसे कुत्ता चाहे काटे या चाटे दोनों को विपरीत नहीं माना जाता है। **-रहीम**

बधिरता : एक चुनौती

श्रवण शक्ति या सुनने संबंधी विकलांगता (जिसमें बहरापन भी शामिल है) का अर्थ है सुनने में परेशानी होना यह स्थायी हो सकती है या फिर इसमें उतार चढाव भी आ सकता है। इससे बच्चे के शैक्षिक प्रदर्शन, उसकी भाषा और उसकी सुनने बोलने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

यह विकलांगता विभिन्न स्तर की हो सकती है जिसमें बहुत कम, मध्यम, ज्यादा, बहुत ज्यादा या पूरी तरह भी हो सकती है। विकलांगता के स्तर की श्रेणी सुनने की शक्ति के नुकसान पर आधारित होती हैं। यह प्रत्येक कान में अलग भी हो सकती है या फिर दोनों कानों से कुछ भी सुनाई नहीं दे सकता है। अगर यह एक कान में होती है तो इसे यूनीलैट्रल और अगर दोनों कानों में होती है बाइलैट्रल कहा जाता है। विकलांगता जन्म से या फिर बाद में भी हो सकती है। अगर यह जन्मजात और दोनों कानों में होती है तो इससे सामान्य भाषा और बोलने के विकास में परेशानी होती है। जन्म के बाद यह विकलांगता जीवन के किसी भी समय धीरे धीरे या एकदम हो सकती है और इससे भी भाषा के विकास और बोलने में कठिनाई होती है। इस विकलांगता को आमतौर से तीन भागों भाषा में बांटा जाता है : प्रीलिंगुअल यानी भाषा के विकास और बोलने से पहले, पेरीलिंगुअल यानी भाषायी कौशलों को सीखने की प्रक्रिया तथा बोलेने की क्षमताओं के दौरान तथा पोस्टलिंगुअल अर्थात भाषायी विकास हासिल करने और बोलना सीखने के बाद पैदा हुई विकलांगता।

भारत में प्रतिदिन 50 से अधिक बच्चे बधिर पैदा होते है। प्रतिवर्ष लगभग 20 हजार बधिर बच्चों की संख्या में इजाफा होता है बधिरता संबंधी सर्वेक्षणों से यह ज्ञात हुआ है कि लगभग 10 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी प्रकार की बधिरता के शिकार है। जन्मजात बधिरता का एक हद तक इलाज संभव है बशर्ते समय रहते इसका पता चल जाए। यदि बच्चे में बधिरता का संशय हो तो इसके लिए ऑडियों मेट्री में जांच कराई जानी चाहिए। आजकल ब्रेन इवोक्ड रेस्पोन्स ऑडियों मेट्री (बेरा) की सुविधा उपलब्ध है। इस जांच से नवजात शिशु ही नहीं, सात माह पश्चात गर्भस्थ शिशु में भी बधिरता का पता चल सकता है। ब्रेन इवोक्ड रेस्पान्स ऑडियों मेट्री द्वारा बच्चे की श्रवण क्षमता का आकलन कर बच्चे में उचित समय पर श्रवण मंत्रों से सुनने की क्षमता विकसित की जा सकती है। कोकलियर इम्प्लांट शल्य चिकित्सा द्वारा बधिरता का सफलता पूर्वक इलाज किया जा सकता है। वयस्क व्यक्ति में बधिरता के प्रमुख कारणों में कान में मैल जमना, कान या मस्तिष्क में किसी प्रकार की चोट। बाहरी या अंदरूनी, जीवाणु एवं वाइरल संक्रमण तथा ध्वनि प्रदूषण प्रमुख है। आज बढता हुआ ध्वनि प्रदूषण, श्रवण क्षमता पर घातक प्रभाव पहुंचा रहा है। अत: ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण बेहद आवश्यक है।

तेजी से फैल रहा है कैंसर, इसके रोकथाम और इलाज की बहुत जरूरत:अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि कैंसर की बीमारी बड़ी तेजी से फैल रही है और ऐसे में इसके रोकथाम और इलाज की बहुत जरूरत है।

यादव ने यहां किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में निर्मित दो नये पीडियाट्रिक कैंसर वार्डों का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य की समाजवादी सरकार प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

उन्होंने इस सुविधा की स्थापना के लिए 'हेल्पिंग हैण्ड्स' ट्रस्ट का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इसके निर्माण से अब कैंसरग्रस्त बच्चों का बेहतर ढंग से इलाज किया जा सकेगा। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाजवादी सरकार द्वारा लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति केजीएमयू महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय देश के सबसे पुराने और मशहूर चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में से एक है। इसके विद्यार्थी पूरे विश्व में अपने संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। जब भी प्रदेश में समाजवादी सरकार रही, चाहे वह नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के नेतृत्व वाली सरकार हो अथवा वर्तमान सरकार, सभी ने इस संस्थान की सुविधाओं में हमेशा इजाफा किया है।

यादव ने कहा कि सरकार ने इस संस्थान के लिए नये विभाग स्थापित किए गए और नये भवनों का भी निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि सुविधाओं में और बढ़ोत्तरी करने के लिए आवश्यक भवनों का आगे भी निर्माण कराया जाएगा। जब भी इस संस्थान का नाम बदला गया तो

समाजवादी सरकारों ने इस संस्थान को इसका पुराना नाम पुन: वापस दिलाने का भी काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में इलाज, दवाई, पैथालॉजिकल जांचें, एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड की नि:शुल्क सुविधा जनता को उपलब्ध करायी जा रही है । गरीबों को कैंसर, लिवर, हार्ट तथा किडनी जैसी बड़ी बीमारियों का मुफ्त इलाज सरकारी अस्पतालों में मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 मण्डलीय जिलों के राजकीय चिकित्सालयों में किडनी के मरीजों के लिए हीमोडायलिसिस की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया है।

यादव ने कहा कि प्रदेश में अनेक मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों सहित नवीन उच्चीकृत चिकित्सा इकाइयों की भी स्थापना करायी जा रही है। कैंसर जैसे असाध्य रोग से निपटने के लिए लखनऊ में एक उच्चस्तरीय कैंसर संस्थान की भी स्थापना की जा रही है, ताकि प्रदेश के कैंसर मरीजों को राज्य में ही इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में 11 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस बात पर कार्य कर रही है कि प्रदेश के सभी मेडिकल संस्थानों का ढांचा और इंतजाम एक जैसा हो। उन्होंने कहा कि नॉन टेक्निकल स्टाफ की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा और उन्हें भी सभी भत्ते दिए जाएंगे।

कार्यक्रम को कन्नौज की सांसद श्रीमती डिम्पल यादव ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि 'हेल्पिंग हैण्ड' ट्रस्ट द्वारा यह एक बेहतरीन पहल है। इसकी स्थापना से कैंसरग्रस्त बच्चों का इलाज अब काफी आसान हो जाएगा

स्वास्थ्य सेवाओं के लिये हर जिले में बनेगा मेडिकल अस्पताल

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने, हर व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने तथा राज्य को चिकित्सा शिक्षा का हब बनाने के लिए प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा गया है और पंचकूला, भिवानी और जींद में सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया जारी है।

खट्टर ने यह जानकारी फरीदाबाद के सेक्टर 88 में अमृता इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस एंड रिसर्च सेंटर का शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए दी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2016-17 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के लिए 3916.94 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया गया है जोकि वर्ष 2015-16 के बजट खर्च से 37.1 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने कहा अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान लगभग 100 एकड़ में बनेगा तथा इसकी 2000 बिस्तरों की क्षमता होगी जो उत्तर भारत में सर्वाधिक है। इस अस्पताल के बनने से लोगों को बेहतर स्वास्थय सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि झज्जर जिले के बाढसा में नेशनल कार्डियो वेस्कुलर इंस्टीच्यूट स्थापित करने की भी सरकार की योजना है और बाढ़सा में ही राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) स्थापित किया जा रहा है। अमेरिका के एनसीआई की तर्ज पर प्रस्तावित 710 बिस्तरों का यह संस्थान तीन वर्ष में तैयार हो जाएगा।

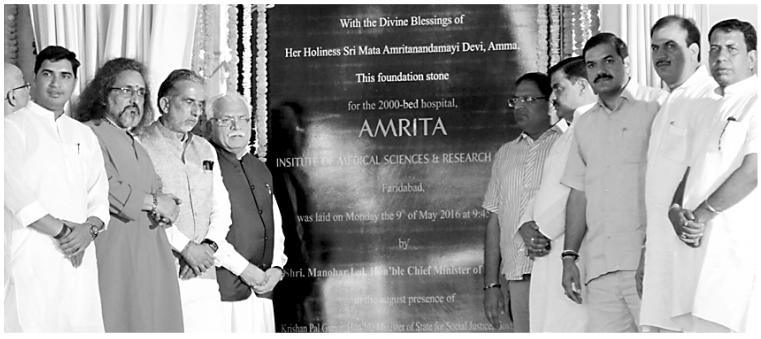

भूटानी पंजाबी फोरम के अध्यक्ष बने

जयपुर। मंगलवार 10 मई को पंजाबी फोरम की वार्षिक सभा में इस बार निर्विरोध चुनाव भी सम्पन्न करवाये गये। वर्ष 2016 से 2018 तक के लिये फोरम का अध्यक्ष अरविन्द भूटानी, सचिव सरदार बलदेव सिंह और कोषाध्यक्ष गौतम सुखिजा को बनाया गया है। कार्यकारिणी का गठन भी वार्षिक सभा में किया गया जिसमें प्रवीण मदान, सुनिल सेठी, दिलीप नागपाल, राजकुमार भूटानी, लव बत्रा, आशीष मुजाल, अशोक गुलाटी और हरीश भूटानी को सर्व सम्मति से चुन लिया गया।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चद्डा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

विश्व रेडक्रास दिवस

डॉ.प्रीतम ने पुरस्कार वितरित किये

जयपुर। विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर स्थानीय दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसन्धान केन्द्र के सभागार में राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन किया गया।

राजस्थान रेडक्रास प्रशासक एवं विशिष्ट शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ.प्रीतम बी यशवन्त ने रेडक्रास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं कार्यकर्ताओं को स्मृतिचिन्ह एवं प्रशंषा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

डॉ.यशवन्त ने रेडक्रास के सदस्यों को पीड़ित मानवता की मदद के लिए तत्परता से कार्य करने का आह्वान करते हुए राजस्थान रेडक्रास के भावी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि विश्व रेडक्रास की इस वर्ष की थीम 'एवरीवेयर - एवरीवन' की भावना के अनुरूप वर्षपर्यन्त रेडक्रास सदस्यों की संख्या बढ़ाने के साथ फर्स्ट एड के व्यापक स्तर पर कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

रेडक्रास प्रशासक ने जूनियर रेडक्रास को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भावी नागरिकों को प्राथमिक उपचार एवं स्वस्थ रहने के तरीके बताकर ही हम स्वस्थ प्रदेश एवं स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने जूनियर रेडक्रास सदस्यों से प्राथमिक उपचार के सम्बन्ध में सीखी गयी बातों का आवश्यकतानुसार उपयोग करने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

निदेशक आरसीएच डॉ. वी.के. माथुर एवं उपनिदेशक जनसम्पर्क गोविन्द पारीक ने रेडक्रास की स्थापना एवं वर्तमान परिवेश में रेडक्रास के महत्व पर प्रकाश डाला।

आरंभ में राजस्थान रेडक्रास के परामर्शदाता ओमप्रकाश जोशी ने रेडक्रास द्वारा किये गये कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेडक्रास द्वारा यातायात कर्मियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने का विशेष कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

रेडक्रास प्रशासक का डॉ.प्रीतम ने इस अवसर पर एमपीएस सांगानेर की प्रिंसीपिल रीटा भार्गव व महेन्द्र सिंह एवं गुरूनानक देव स्कूल की श्रीमती चरणजीत कौर, सैंट सौलजर्स स्कूल की श्रीमती कमलजीत कौर, राजकीय बालिका विद्यालय सांगानेर की सुश्री सुधा शर्मा, राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय गणगौरी बाजार की श्रीमती शोभा सक्सैना, रिटायर्ड विंगकमान्डर पीसी डाटा को सम्मानित किया।

इस अवसर पर एमपीएस सांगानेर, गुरूनानक देव स्कूल, सेंट सोलर्जस स्कूल, राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय सांगानेर एवं राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय गणगौरी बाजार, के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। एमपीएस सांगानेर के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत योग नृत्य को विशेष रूप से सराहा गया।

स्काउट गाइड ने लगाई शीतल जल की प्याऊ

जयपुर। गाइड एल.ए. रामनिवास गार्डन की ओर से राजकीय सेठ आनंदीलाल पोदार मूक बधिर उ.मा. विद्यालय, जयपुर के बाहर राहगीरों को गर्मी में प्यास से राहत दिलाने के लिए शीतल जल की प्याऊ लगाई गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महेश वाधवानी, स्काउट प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका, सहायक स्काउट प्रभारी योगेश तंवर आदि उपस्थित रहे।

सिंहस्थ में रोगियों का रंगों से उपचार

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ में दो ऐसे वैद्यराज है जो श्रद्धालुओं के रोग का उपचार उनके हाथ और उंगलियों में सात रंगों का प्रयोग कर रहे है।मुम्बई निवासी वैद्य पृथ्वी डावर और भोपाल निवासी वैद्य भृगु सिंहस्थ के मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के रोग का उपचार उनके उंगलियों में सात रंगों का प्रयोग कर रहे है। वैद्य द्वय ने बताया इस नई चिकित्सा पद्धति के बारे में कम लोगों को जानकारी है। रोगियों का ईलाज करने में अधिकतम दो मिनट का वक्त लगता है।

उन्होंने बताया कि चक्कर आना, बेहोशी, लू लगना, कान की समस्या, अनिद्रा, घुटना दर्द, आंखों में पानी आना, जोड़ो का दर्द, कमर दर्द और पेट दर्द इन सब बीमारीयों का इलाज रंगों के माध्यम से अलग-अलग तरीके से किया जाता है। इस पद्धति को इन्होंने रशिया के प्रोफेसर पार्क जी बु से सीखा है। उपचार की ये पद्धति प्राचीन है। एक्यूप्रेशर की तरह इस उपचार कि पद्धति को भी लोकप्रिय किया जा रहा है। यह उपचार की पद्धति काफी सस्ती भी है।

चिकित्सकों की कमी के मद्देनजर सेवानिवृति 65 साल करने की मांग

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. एस एस अग्रवाल ने देश में स्वास्थ्य सेवाओं की दयनीय स्थिति तथा चिकित्सकों की कमी के मद्देनजर चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति 65 साल करने की मांग की है। डा. अग्रवाल ने यहां जारी एक बयान में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार प्रति एक हजार की आबादी पर एक चिकित्सक होना चाहिए, लेकिन भारत इस अनुपात को हासिल करने में काफी पीछे है। देश में इस समय 14 लाख डॉक्टरों की कमी है।

डॉक्टरों की कमी के कारण चिकित्सा सेवाओं पर बहुत ज्यादा दबाव है। इसलिए सरकार को चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि के सभी उपाय करने चाहिए और चिकित्सकों की सेवानिवृति आयु 65 वर्ष कर देनी चाहिए ताकि आम आदमी को चिकित्सा सेवाएं सुलभ हो सकें।

विकलांग मंच वेबसाइट पर भी

विकलांग मंच के सभी सुधि पाठकों से निवेदन है कि आपका राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र 'विकलांग मंच' अब वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। पाठक नवीनतम अंक के लिए www.lbdvs.org पर अवलोकन करें।

-प्रबंधक

36 वर्षों से दृष्टि बाधितों की सेवा में

सतत प्रयत्नशील

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे,
वाया रोड नं. 14, वी.के.आई., जयपुर-302013
दूरभाष: 0141- 4023328.

:प्रवृत्तियां:

- ब्लाइंड रिलीफ सेंटर
- आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र
- कम्प्यूटर प्रशिक्षण एकांश
- ब्रेल लायब्रेरी

मेहन्दी प्रशिक्षण बैंच का समापन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांग एवं कमजोर वर्ग के लिए संचालित विभिन्न स्वरोजगारपरक नि:शुल्क प्रशिक्षणों के क्रम में मेहन्दी-मांड़णा प्रशिक्षण बेच का समापन हुआ। तीस दिवसीय प्रशिक्षण पूरा करने वाली 15 महिला प्रतिभागियों को सुश्री पलक अग्रवाल ने प्रमाण पत्र व प्रारंभिक रोजगार के लिए मेहन्दी डिजाइन पुस्तिका व मेहन्दी किट प्रदान किया। प्रशिक्षिका अफसाना बानू ने प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के तबादले न होने से पाल नाखुश

देहरादून। उत्तराखंड में गम्भीर बीमारियों से पीडित / दिव्यांग (विकलांग) और लम्बे समय से अति दुर्गम व दुर्गम स्थलों पर तैनात शिक्षकों के स्थानान्तरण सम्बन्धी आवेदन पत्रों पर कोई सुनवाई न होने पर राज्यपाल डा. कृष्ण कांत पाल ने गम्भीर रूख अख्तियार किया है।

उन्होंने इस संदर्भ में विभागीय कार्यप्रणाली पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए इसे असंवेदनशील व्यवहार बताया है। राज्यपाल ने शिक्षा सचिव को सख्त निर्देश दिये हैं कि ऐसे सभी प्रकरणों पर पूरी पारदर्शिता के साथ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

जनशिकायतों की सुनवाई के दौरान इस तरह के कई प्रकरण राज्यपाल के संज्ञान में लाये गये जिनमें गम्भीर रोगों से ग्रस्त होने तथा शारीरिक रूप से अशक्त होने के पर्याप्त साक्ष्यों के बावजूद अति दुर्गम और दुर्गम स्थलों में कई वर्षों से तैनात शिक्षकों के स्थानान्तरण विषयक आवेदनों पर विभाग द्वारा कोई विचार नहीं किया जा रहा है। सिविल सचिवालय में जन समस्याओं की सुनवाई के दौरान राज्यपाल के समक्ष राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर गढ़वाल के संविदा कर्मियों का प्रकरण भी लाया गया। मेडिकल कॉलेज संयुक्त कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष द्वारा राज्यपाल से निवेदन किया गया कि मेडिकल कॉलेज में पांच वर्ष की संविदा सेवा पूर्ण कर चुके कर्मियों को नियमित किया जाये। राज्यपाल ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को इस संदर्भ में परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये हैं।

राजकीय वाहन चालक महासंघ सहित अन्य कई संगठनों ने भी राज्यपाल से मुलाकात कर अपनी मांगें/समस्यायें उनके समक्ष रखी। व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर भी कई लोगों ने राज्यपाल से भेंट की जिनके निस्तारण के संदर्भ में राज्यपाल द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डा. नागेश्वर राव ने भी राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें विश्वविद्यालय की प्रगति और गतिविधियों से अवगत कराया।

सीमावर्ती गांवों के 90 फीसदी लोग शिक्षा से वंचित

अमृतसर। पंजाब सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई तरह की योजनाए शुरू की गई है लेकिन पंजाब के सीमावर्ती गांवों के स्थापित किए गए स्कूलों में पढ़ाई का कार्य शुरू न हो पाने के कारण इन गांवों के 90 फीसदी बच्चे कभी स्कूल गए ही नहीं।

गांव भग्गुपुर बेट के सतनाम सिंह ने बताया कि उनके बच्चों ने कभी स्कूल का मुंह देखा ही नहीं। उन्होंने कहा कि पढाई तो वह भी चाहते हैं गरीबी के कारण उनके गांव के 90 प्रतिशत बच्चे कभी स्कूल नहीं गए। यहां रहने वाले अधिकतर लोग बेहद गरीबी के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होने बताया कि गांव में पांचवी कक्षा तक स्कूल तो हैं लेकिन गरीबी के कारण वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने में असमर्थ हैं। गांव के सभी बुजुर्ग अनपढ़ हैं।

सैदपुर खुर्द के पूर्व सरपंच गुरजाव सिंह ने बताया कि तहसील अजनाला में पांच प्राईमरी स्कूल केन्द्र सरकार द्वारा गांव माखन, सैदपुर खुर्द, बल्लवाड़, कियाछन्ना और साहनेवाल में खोले गए हैं लेकिन अफसोस की बात है कि राज्य तथा केन्द्र सरकार इन स्कूलों में पढाई का कार्य शुरू नहीं करवा पाई। इसी प्रकार खालड़ा के नजदीक जीरो लाईन पर बसे गांव थेहकलां में प्राईमरी स्कूल तो हैं मगर आगे की शिक्षा के लिए गांव से तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। गरीबी के कारण आने जाने का किराया वहन नहीं कर पाने के कारण यहां के बच्चे स्कूल नहीं जा पाए।

खेमकरण के नजदीक गांव कलम जोकि बिल्कुल सीमा पर जीरो लाईन पर स्थित है यहां के पंचायत सदस्य बगीचा सिंह ने बताया कि गांव में एक प्राईमरी स्कूल है। इस स्कूल में एक ही अध्यापिका है जिस कारण पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती। यहां पढने वाले बच्चों ने बताया कि वह उच्च शिक्षा लेना चाहते हैं लेकिन स्कूल गांव से पांच किलोमीटर दूर होने के कारण वह पढाई जारी नहीं रख सकते।

पंजाब सरकार ने गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए कई योजनाए चलाई हैं जैसे स्कॉलरशिप योजना के साथ साथ सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा लेकिन गरीबी के कारण यह लोग अपनी रोजी रोटी के लिए अपने छोटे छोटे बच्चों के साथ मुक्तसर, मलोट, फाजिलका, अबोहर, जालंधर, सुलतानपुर और कपूरथला जैसे शहरों में कामकाज की तलाश में भटकते रहते हैं।

जो बच्चे गांव में है उनका ज्यादातर समय खेतों में ही गुजरता है। इनके बच्चे कभी स्कूल जा ही नहीं पाए।

उक्त गांवों के लोग का कहना है कि क्या कभी सरकार उनके बच्चों की पढ़ाई का सपना पूरा करेगी या यूं ही पीढ़ी दर पीढ़ी उनके बच्चे अनपढ़ ही रहेंगे। सरकार द्वारा बनाई गई 'सर्वशिक्षा अभियान ऑथरटी' भी इन बच्चों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही।

भारतीय संस्कृति ने दिया है वैश्विक मूल्यों को संरक्षण:गेहलोत

उज्जैन। केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावरचंद गेहलोत ने कहा कि अनादि काल से भारतीय संस्कृति ने वैश्विक मूल्यों को संरक्षण दिया है। गेहलोत ने यह बात आज यहां सिंहस्थ महापर्व के मेला क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि धर्म में निहित श्रेष्ठ मूल्यों का लाभ सभी को मिले, इसके लिए जरूरी है कि धर्म निरपेक्षता के स्थान पर धर्म सापेक्षता को महत्त्व दिया जाए। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने कहा कि सिंहस्थ विविध मत, पंथ और विचारों के मध्य समन्वय का संदेश देता है। भारतीय मूल्य व्यवस्था में मानव मूल्यों का सार समाया हुआ है। जगद्गुरु रामानंदाचार्य श्रीरामनरेशाचार्य ने कहा कि विश्व संस्कृति की मूल भारतीय संस्कृति है। आज भी विश्व में प्रचलित अनेक प्रथाओं और परम्पराओं का उत्सव भारत में दिखाई देता है। आज जरूरत है कि मानवता को पराकाष्ठा तक पहुंचाने वाले मूल्यों का प्रसार करें।

वरिष्ठ साहित्यकार और पूर्व सांसद बालकवि बैरागी ने कहा कि परपीड़ा को समझने वाला ही सच्चा वैष्णव हो सकता है। जीवन के मूल्यों की समझ के बिना हमारा मनुष्य होना व्यर्थ है।

आर्य समाज ने बांधे परिन्डे

कोटा। प्राणी मात्र के कल्याण की भावना से भीमगंजमण्डी कोटा जंक्शन क्षेत्र के पार्क में मूक पक्षियों के पानी के लिए मिट्टी के परिण्डे बांधे। आज स्टेशन क्षेत्र स्थित ऑल इण्डिया रिटायर्ड रेलवे मेन्स फेडरेशन कार्यालय के पास पार्क

में आर्य समाज ने पेड़ की शाखाओं पर परिण्डे बांधे। आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्ढा, फेडरेशन के अध्यक्ष व आर्यसमाज कॉलोनी के पूर्व प्रधान रामकृष्ण बलदुआ, फेडरेशन के मंत्री सतीषचंद गुप्ता, हरीश चंचलानी, अजमत अली खान ने परिण्डे बांधे।

इस अवसर पर अर्जुन देव चढ्ढा ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यास से भटकते पक्षियों के लिए पिछले कई वर्षों से शहर में कई स्थानों पर आर्य समाज जिला सभा कोटा द्वारा परिण्डे बांधे जा रहे हैं तथा परिण्डों में नियमित पानी-दाना डालने की जिम्मेदारियां भी सौंपी गई।

577 महिलाओं को राशन किट भेंट

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा शहर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की गरीब व विधवा महिलाओं को नि:शुल्क राशन वितरण के मासिक प्रकल्प के तहत 577 महिलाओं को राशन किट वितरित किए गए।

निदेशक वन्दना अग्रवाल ने बताया कि राशन किट में परिवार के सदस्यों के अनुपात में आटा, दाल, चावल, तेल, मिर्च-मसाला, शक्कर, चाय पत्ती आदि शामिल है। इस दौरान पलक अग्रवाल, दिलीप चौहान, वर्षा जैन, जया भल्ला आदि उपस्थित थे।

वर्ल्ड विश डे पर कच्ची बस्ती के बच्चों को कराई जयपुर की सैर

जयपुर। जयपुर यूथ आर्गनाइजेशन द्वारा 29 अप्रैल को वर्ल्ड विश डे का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में शहर की कच्ची बस्तियों के बच्चों को ओपन बस में जयपुर की सैर कराई गई।

जयपुर यूथ आर्गनाइजेशन ने इन बच्चों को नये कपड़े, मिठाई व उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के दौरान समाज सेविका श्रीमती रितु अग्रवाल ने बच्चों के साथ रहकर उन्हें जयपुर भ्रमण कराया। जयपुर यूथ आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष पवन शर्मा व सचिव मनौज जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

विशेष शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये सुनहरा अवसर

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था द्वारा संचालित सागर कॉलेज, चाचियावास, अजमेर में भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा इन स्पेशल एज्यूकेशन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम में वर्ष 2016-18 के लिये प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। विशेष शिक्षा के कोर्स कोर्डिनेटर भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि संस्था भारतीय पुनर्वास परिषद के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया के लिये आवेदन 20 मई 2016 तक कॉलेज में जमा होगें। जिसमें 12वी पास अभ्यर्थी प्रवेश के लिये आवेदन कर सकते है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति, अन्य पिछडा वर्ग एवं विशेष पिछड़ा वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा छात्रवृति देय हैं। उन्होने बताया कि इस कोर्स में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी वर्तमान में राजकीय सेवा (शिक्षा विभाग) एवं गैर सरकारी, स्वयं सेवी संस्थाओं में अपने प्रशिक्षण के आधार पर विशेष योग्यजनों को सेवाएं दे रहे है। इस पाठ्यक्रम में कुल 30 सीटे उपलब्ध है। उन्होने बताया कि विशेष शिक्षक प्रशिक्षण हेतु अजमेर जिले का यह एक मात्र केन्द्र है।

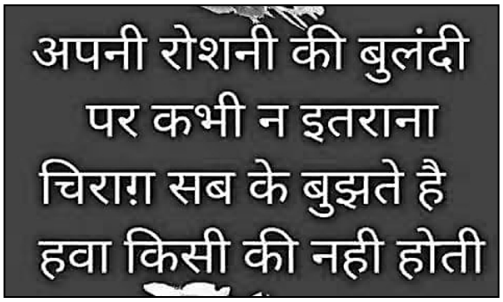

महावीर के उपदेश से जीवन जीने की कला का ज्ञानः सुधा सागर

उदयपुर। जैन कुल में जन्म लेने वाले श्रावकों को बारह व्रतों का पालन करना चाहिए। व्रत गृहस्थी में विघ्न डालने के लिए नहीं बल्कि गृहस्थ जीवन को व्यवस्थित करने के लिए बनाए जाते है जिससे संसार में इज्जत से जिया जा सके। जो व्यक्ति व्रत कर्म का फल प्राप्त करने के लिए करता है वह व्रत नहीं होता है। मुनि बनने और मोक्ष प्राप्त करने का आनंद तो सभी को आता है परन्तु मोक्ष प्राप्ति के लिए तपस्या करने में जो आनन्द आता है वही असली परीक्षा है। यह उदगार मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने शहर के बाहुबली विहार स्थित वासु पूज्य दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित प्रवचन में कहे। श्रावकों को सम्बोधित करते हुए महाराज ने कहाँ कि महावीर स्वामी का उपदेश मोक्ष की प्राप्ति के लिए नहीं होकर संसार में व्यवस्थित ढंग से जीने के लिए था।

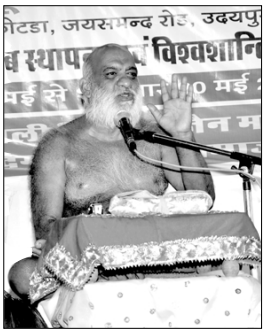

विमंदित बच्चों ने लिया मुनिश्री सुधासागरजी का आशीर्वाद

कोटा। दादाबाड़ी स्थित नसियां जैन मंदिर में शिखर स्पेशल स्कूल के विमंदित बच्चों ने मुनिश्री सुधासागरजी का करूणामयी आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर जैन प्रभावना समिति द्वारा विद्यालय को एक इन्वर्टर भेंट किया गया। संस्था सचिव मीनाक्षी सक्सैना ने जैन प्रभावना समिति का आभार व्यक्त किया।

सीलिंग फैन भेंटः लायन्स क्लब कोटा नार्थ एवं लियो क्लब कोटा ने शिखर स्पेशल स्कूल को तीन सीलिंग फैन भेंट किए। लायन्स क्लब कोटा नार्थ के पदाधिकारी हितेश्वर राव, वरूण रस्यवट, रोहित मोदी, कुंज बिहारी शर्मा और लियो क्लब के प्रेसीडेंट प्रत्युश शर्मा व सचिव मोहित गौतम आदि ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी ली। संस्था सचिव मीनाक्षी सक्सैना ने लायन्स क्लब कोटा नार्थ एवं लियो क्लब कोटा द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक रामकेश मीणा ने किया।

पंजीकरण संख्या : ।। ओ३म्।। रसीद संख्या :

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वाधान में

आर्य परिवार युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन

सम्मेलन कार्यालय : 15, हनुमान रोड़, नई दिल्ली - 110001 टैलिफैक्स :- 011-23360150, 23365959
Email: aryasabha@yahoo.com website : www.thearyasamaj.org

पंजीकरण प्रपत्र

: व्यक्तिगत विवरण :

1. युवक/युवती का नाम :..... गोत्र.....
2. जन्मतिथिः..... स्थान : ..... समय :.....
3. रंग..... वजन ..... लम्बाई .....
4. योग्यता (शैक्षणिक एवं अन्य) : .....
5. युवक/युवती सेवारत, व्यवसाय में है तो उसका विवरण/पता/..... मासिक आय.....

"आवेदक अपना फोटो अनिवार्य रुप से लगाएं।"

: पारिवारिक :

6. पिता/संरक्षक का नाम ..... व्यवसायः ..... मासिक आय.....
7. पूरा पताः.....
   दूरभाष :..... मोबा.:..... ईमेल :.....
8. मकान निजी/किराये का है.....
9. माता का नाम :..... शिक्षा :..... व्यवसाय : .....
10. भाई - अविवाहित.....विवाहित..... । बहिन- अविवाहित.....विवाहित..... ।
11. उम्मीदवार/अभिभावक किस आर्यसमाज के सदस्य हैं? (आवश्यक).....
12. युवक/युवती कैसी चाहिए (संक्षिप्त टिप्पणी दें) .....
13. युवक/युवती यदि इनमें से होतो सही पर (✓) लगाएं : विधुर : ☐ विधवा : ☐ तलाकशुदा : ☐ विकलांग :
14. विशेषः किसी और बात का उल्लेख करना चाहते हों तो उसे यहां संक्षेप में लिखें: .....

कार्यक्रम स्थल :- आर्य समाज, जनकपुरी, ए-ब्लॉक, नई दिल्ली
दिनांक :- 3 जुलाई 2016 समय :- प्रातः 10 बजे से

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र :
श्री अर्जुनदेव चद्दा, राष्ट्रीय संयोजक मो. 09414187428
श्री एस.पी. सिंह, संयोजक दिल्ली प्रदेश मो. 09540040324
श्री विकास नरुला, प्रधान, आर्यसमाज जनकपुरी, ए-ब्लॉक, नई दिल्ली मो. 09990333798
श्री विरेन्द्र सरदाना, मंत्री, आर्यसमाज जनकपुरी, ए-ब्लॉक, नई दिल्ली मो. 09911140756

नोट : 1. ई-मेल एडरेस, मोबाईल व फोन नम्बर लिखना आवश्यक है
2. विक्लांग युवक-युवतियों तथा विधवा एवं तलाकशुदा युवतियों के लिये रजिस्ट्रेशन शुल्क 50% छूट होगी।
3. विवाह सम्बन्ध बनाने से पूर्व दोनों पक्ष अपनी सन्तुष्टि कर लें। सभा इसके लिए उत्तरदायी नही होगी।
4. आप इस फार्म को www.thearyasamaj.org से डाउनलोड कर भेज सकते हैं। **फोटो कॉपी प्रति भी मान्य है।**
5. पंजीकरण फार्म पूर्ण विवरण के साथ दिल्ली आर्य प्रतिनिधी सभा नई दिल्ली के नाम रु. 300/- (तीन सौ रुपये) का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न कर अथवा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम एक्सिज बैंक खाता सं. 910010001816166 करोल बाग शाखा में जमा कराकर रसीद फार्म के साथ भेजें। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.), 15- हनुमान रोड़, नई दिल्ली-1 के पते पर कार्यालय में सम्मेलन की तारीख से 15 दिन पूर्व भेज दे, ताकि प्रत्याशी का विवरण पुस्तिका मे प्रकाशित किया जा सके।
6. माता-पिता/अभिभावक रजिस्ट्रेशन शुदा पुत्र/पुत्री को सम्मेलन में अवश्य लावें। कॉलम नं. 11 भरे बिना फार्म स्वीकार्य नहीं होगा।

युवक और युवतियाँ परस्पर एक-दूसरे के गुण-कर्म और स्वभाव मिलने पर ही विवाह करें- महर्षि दयानन्द सरस्वती

भातखण्डे संगीत महाविद्यालय ने मनाया 48वां स्थापना दिवस

जयपुर। बापूनगर के सिवाड एरिया स्थित भातखण्डे संगीत महाविद्यालय में अपना 48वां स्थापना धूमधाम से मनाया।

संगीतज्ञ एवं गुरु राजकुमार संघी द्वारा मई 1968 में चालू किये गये इस विद्यालय से राजकुमारजी संघी के कुशल निर्देशन मे अब तक अनेकों विद्यार्थियों ने संगीत शास्त्रीय गायन, सुगम गायन, भजन गायन एवं वाद्य यंत्र जैसे तबला, गिटार, हारामोनियम, बांसुरी बजाना आदी की शिक्षा प्राप्त की है। पिछलें 48 वर्षो में कई राजकुमारजी संघी ने नेत्रहीन होने के बावजूद कई कलाकारों को तैयार किया है जिन्होंने उनके निर्देशन में देश एवं विदेश में अपनी कला की छाप छोड़ संगीत में विषारद एवं अन्य उपाधियां प्राप्त की है। जिनमें कुछ प्रमुख है:-डॉ. गौरव जैन (सारेगामा फेम), श्रीमती दीपशिखा जैन (गुरुकुल फेम), श्रीमती समता गोदिका, श्रीमती ममता शाह, आयुषी जैन, सीए गौरव छाबड़ा, श्वेता जैन, हिमान्शु बैद, सीए दिपान्शु बैद, हीराचन्द बैद, कनकलता जैन, सुषीला जैन आदि। संस्था के स्थापना दिवस पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में संस्था में 48 वर्ष पूर्व प्रवेशरत प्रथम विद्यार्थी डॉ. परमातम् प्रकाश भारिल्ल एवं अन्य विद्यार्थियों डॉ. गौरव जैन आदी की मौजूदगी में संगीत गुरु राजकुमारजी संघी का माला पहनाकर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम की शुरुवात सरस्वती वन्दना से की गई। ततपश्चात् श्रीमती समता गोदिका के संचालन में संस्था में वर्तमान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गानों की प्रस्तुत की।

अन्त में छात्रों की फरमाईश में डॉ. गौरव जैन, श्रीमती दीपशिखा ने भी अपनी सुमधुर प्रस्तुती दी। वर्तमान में लगभग 60 विद्यार्थी संस्था में संगीत की शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

भिवानी। विश्व रैडक्रास दिवस के पूर्व संध्या पर उपायुक्त एवं अध्यक्ष पंकज, आई.ए.एस. के कुशल मार्गदर्शन में जिला रैडक्रास परिसर भिवानी में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आर.आई.सी.टी. कम्प्यूटर सैन्टर एवं प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे जिले के 100 से अधिक युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया और 51 रक्तदाताओं ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया। संस्था के संस्थापक सर जीन हैनरी डयूना के जन्म दिवस 8 मई के अवसर पर राज्य स्तरीय विश्व रैडक्रास दिवस जिला रैडक्रास शाखा, अम्बाला में मनाया गया। जिसके मुख्य अतिथि राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी रहे। जिसमें हरियाणा राज्य की सभी रैडक्रास शाखाऐं भाग लेकर व अपनी प्रदर्शनी लगाकर अपने-अपने जिले की गतिविधियों के बारे में आम जन को जागरूक किया। शिविर में उपस्थित रक्तदाताओं को हरियाणा स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी पंचकुला से प्राप्त बैज एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में राजकुमार डूडेजा ने 65वीं बार रक्तदान एवं राजेश पोपली एडवोकेट ने 12वीं बार अपना रक्तदान कर अनूठी मिशाल बने। शिविर में सहायक जयभगवान, लिपिक सरोज रानी, जोगेन्द्र सहरावत, कम्प्यूटर ऑपरेटर विकास कुमार, मनोज तंवर, जोगेन्द्र कौशिक, जयपाल, अजय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों के हितार्थ जन जागरूकता कार्यक्रम

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, चाचियावास अजमेर द्वारा संचालित डी.एड.एस.ई (एम.आर.) 2 वर्षीय डिप्लोमा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं ने अजमेर में ग्रुप बनाकर विकलांगता के प्रति समाज में फैले अन्धविश्वासों एवं भ्रान्तियों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इसी क्रम में प्रथम ग्रुप सम्राट पृथ्वीराज ने पहाड़गंज में जनजागरूकता कार्यक्रम में प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुरणमल जटिया समाज के अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि के रूप में गोविन्द नारायण जोशी, दिलीप रेगरवाल उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त द्वितीय दिव्यांग ग्रुप ने जादुगर मौहल्ला, कच्ची बस्ती में कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चन्दन सिंह, पार्षद, विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरूदत्त शर्मा, श्रीमती हेमलता उपस्थित रहे। साथ ही तृतीय स्वामी विवेकानन्द ग्रुप ने छोटी नागफनी में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुती दी जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कुन्दन वैष्णव, पार्षद एवं संस्था की ओर से राकेश कुमार कौशिक, निदेशक एवं भगवान सहाय शर्मा, कोर्स कोर्डीनेटर के रूप में उपस्थित थे। इन ग्रुपों में अशोक, दिलीप, अर्जुन, विनिय, अभिनय, तनूजा, धर्मीचन्द, रविन्द्र, विनिता, गणेश, रामप्रसाद, शिवानी, ललिता एवं अलिम ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्त में निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि मानसिक विकलांगता की रोकथाम हेतु व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहिए एवं मानसिक विकलांगता के विभिन्न कारणों से बचाव करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विकलांगों को समाज में पुनर्वास करने हेतु सभी को आगे आकर इनकी मदद करनी चाहिये।

वृद्धाश्रम में वाटर कूलर भेंट

बीकानेर। असंगठित मजदूर युनियन, नत्थुसर गेट बीकानेर की ओर से श्री भीम वृद्धाश्रम 12/52 मुक्ता प्रसाद नगर बीकानेर में निराश्रित वृद्धों के लिए वाटर कूलर भेंट किया। युनियन के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार तेजी ने बताया कि युनियन के सदस्य रवि रील, पुनम बारासा, अजय चाँवरियां आदि के सामुहिक सहयोग से निराश्रित वृद्धों को वाटर कुलर सेवार्थ दिया गया है। यह वाटर कुलर विनोद चाँवरियां, संभाग उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा बीकानेर के आर्थिक सहयोग एवं प्रेरणा से दिया गया है। इस अवसर पर जय भीम संस्थान के अध्यक्ष के.सी. चाँवरियां ने युनियन का आश्रम के वृद्धों एवं संस्थान की ओर से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में पप्पू घावरी, मधु शर्मा, राजेश मिश्रा, नन्द किशोर प्रजापत, श्याम सुंदर चाँवरियां सीताराम सरपटा आदि उपस्थित रहे ।

एसबीबीजे द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में 1 करोड़ का सहयोग

जयपुर। स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर द्वारा राजस्थान मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में एक करोड़ रूपये सहयोग प्रदान किया गया।

एक सादे समारोह में बैंक के प्रबंध निदेशक ज्योति घोष द्वारा माननीया मुख्यमंत्री राजस्थान श्रीमती वसुन्धरा राजे को सहयोग राशि का चैक प्रदान किया गया। इस अवसर पर घोष ने बताया कि बैंक द्वारा यह सहयोग राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों के लिए दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बैंक द्वारा विगत वर्ष में सरकारी विद्यालयों में किए गए कार्य यथा 104 विद्यालयों में पेयजल सुविधाए 73 विद्यालयों में विद्युत सुविधा एवं 103 शौचालयों के निर्माण आदि कार्यों से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने बैंक द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर बैंक के मुख्य महाप्रबन्धक वी श्रीनिवासन एवं महाप्रबंधक रवि कुमार गारु भी उपस्थित थे।

सहकारी बैंकों को वित्तीय साक्षरता व डीएमए को गति देने के निर्देश

जयपुर। सहकारी समितियों की रजिस्ट्रार डॉ. रेखा गुप्ता ने कहा है कि भामाशाह सहित नकद हस्तांतरण योजनाओं के खाते खोलने व इनकी केवाईसी सहकारी बैंकों की प्राथमिकता है और इसे तय समय सीमा में पूरा किया जाएगा।

उन्होंने जनसुनवाई व राजसंपर्क प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण व विभाग के विभिन्न न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों में बकाया जवाब दावे शीघ्र प्रस्तुत कराने के निर्देश दिए।

श्रीमती गुप्ता सहकार भवन में अपेक्स बैंक व विभाग के बैंकिंग, आयोजना व विधि अनुभाग की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम व डिपोजिट मोबिलाइजेशन एजेंट कार्यक्रम में ग्रामीणों को वित्तीय समावेशी कार्यक्रम और इसमें सहकारी

बैंकों की भूमिका, आम नागरिकों को लाभ व केवाईसी पूरी कराया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के साथ ही कारोबार में विविधिकरण पर ध्यान देना होगा। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक विद्याधर गोदारा ने प्राथमिकता वाली बैंक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी।

आयोजना अनुभाग की समीक्षा बैठक में संयुक्त रजिस्ट्रार आयोजना श्रीमती सोनल माथुर ने राजसंपर्क व जनसुनवाई के प्रकरणों के निस्तारण, विधान सभा प्रश्नों, आश्वासनों तथा आयोजना बजट प्रावधानों की जानकारी दी। अतिरिक्त रजिस्ट्रार विधि संजय माथुर ने विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों, जवाब प्रस्तुति, लाइट्स प्रगति आदि की विस्तार से जानकारी दी।

असंगठित क्षेत्र तक पेंशन योजनाओं का विस्तार जरूरी : कांट्रैक्टर

नयी दिल्ली। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआर डीए) के अध्यक्ष हेमंत कांट्रैक्टर ने कहा कि देश का 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में काम करता है और उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र तक पेंशन योजनाओं का विस्तार जरूरी है। पीएफआरडीए द्वारा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली पर यहाँ आयोजित एक सम्मेलन के दौरान उन्होंने यह बात कहीं। उन्होंने कहा कि देश का 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में काम करता है जो दुनिया में सर्वाधिक है। यह कार्यबल किसी भी प्रकार की पेंशन योजना से वंचित है। कांट्रैक्टर ने कहा कि लोगों की आयु बढ़ने, एकल परिवार का चलन बढ़ने तथा आबादी में, विशेषकर महिला आबादी में, बुजुर्गों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर पेंशन की जरूरत बढ़ गई है। इन कारणों से दुनिया भर देशों में पेंशन नीति निर्धारण का केंद्रीय मुद्दा बन गया है। एनपीएस के लाभों के बारे में उन्होंने कहा कि इसका रिटर्न बाजार के अनुरूप है, इसमें लचीलापन है, पारदर्शिता है और इसकी लागत कम है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को इस योजना से जोड़ने के रास्ते में जानकारी की कमी, कम आय तथा बचत के दूरदृष्टि का अभाव जैसी कुछ चुनौतियाँ हैं।

श्रीकृष्ण शर्मा को ''साहित्य भूषण सम्मान''

जयपुर। भारतीय साहित्य संस्था, बल्लारी (कर्नाटक) ने साहित्य सेवा साधना एवं सारस्वत साहित्यिक अवदान द्वारा मानवीय मूल्यों के संवर्द्धन के लिए (श्री) श्रीकृष्ण शर्मा को ''साहित्य भूषण सम्मान'' प्रदान किया है। यह सम्मान संस्थान के अध्यक्ष डॉ. जयसिंह 'अलवरी' एवं संरक्षक जी. वेंकटप्पा द्वारा दिया गया। अनेक सम्मानों से विभूषित एवं पुरस्कृत श्री शर्मा को जनवरी 2016 में भारतीय वाङ्मय पीठ, कोलकाता द्वारा भारत गौरव सारस्वत सम्मान से भी अलंकृत किया गया था।

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में दिया जाएगा प्रशिक्षण

रांची। दिव्यांगों के विकास पुनर्वास के लिए सरकार हर संभव कार्य कर रही है। केंद्र से लेकर राज्य सरकार दिव्यांगों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अलग अलग प्रशिक्षण चलाया जा रहा है। यह बातें खाद्य आपूर्ति संसदीय कार्य मंत्री सरयू राय ने गम्हरिया ब्लॉक के बोलायडीह में झारखंड दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के उदघाटन के दौरान कही। कार्यक्रम का आयोजन झारखंड विकलांग संस्थान की ओर से आयोजित किया गया था। मंत्री ने पुनर्वास केंद्र के विकास के लिए व्यक्तिगत सरकार स्तर से सहयोग करने की बात कही। पुनर्वास केंद्र नवज्योति विद्या मंदिर स्कूल परिसर में खोला गया है। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि सरायकेला खरसावां के जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिव मंगल तिवारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास विकास के लिए जो भी योजनाएं चल रही है वह इस केंद्र के माध्यम से संचालित की जाएगी। यह पहला केंद्र है जहां दिव्यांगों को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें अगरबत्ती, मोमबत्ती मेकिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, दिव्यांग सहायक उपकरण निर्माण प्रशिक्षण दिया जाएगा। कांड्रा गेट प्राइवेट लिमिटेड के प्रशांत श्रीवास्तव की ओर सहायक उपकरण की प्रदर्शनी लगाई थी जिसका अवलोकन मंत्री ने किया और सराहना की।

सुधि शुभचिंतकों की सूचनार्थ

समाज के सर्वहारा वर्ग का प्रकाशन विकलांग मंच समाज, शासन एवं नि:शक्तजनों के मध्य सेतु माध्यम का अकिंचन प्रयास है। देश के अन्य राज्यों सहित राजस्थान में नि:शक्तजनों के कल्याणार्थ किए गए कार्यों की जानकारी समाज के सामने रखने का प्रकाशन का पूरा प्रयास रहता हैं। उदारमना महानुभावों के सहयोग से व्यापक प्रसार संख्या वाले इस प्रकाशन की नि:शक्तजनों की सेवा में महती भूमिका है।

आपश्री से निवेदन है कि कृपया आप स्वयं एवं अपने परिचितों को विकलांग मंच का सदस्य (सहयोग राशि आजीवन 500/- अथवा वार्षिक 50/-रूपये मात्र) बनने के लिए प्रेरित करें। आपश्री अपनी सहयोग राशि मनीआर्डर/ डीडी/ पोस्टल आर्डर/ एट पार चेक (जो विकलांग मंच जयपुर के नाम देय हो) द्वारा निम्न पते पर भिजवा सकते हैं। इसके अलावा आपश्री अपनी सहयोग राशि भारतीय स्टेट बैंक में विकलांग मंच के खाता संख्या 32093997756 में भी सीधे जमा करा कर मोबाइल फोन 09352320013 अथवा ई-मेल vicklangmanch@gmail.com पर मैसेज (अपने डाक पते सहित) देने का अनुग्रह करें।

प्रबंधक, विकलांग मंच

8/141,मालवीय नगर, जयपुर-302 017

फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350

शिक्षा ही आगे बढ़ने का मूलमंत्रः चतुर्वेदी

दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों को प्लेक्स टॉक पीटीवी 1 वितरित

जयपुर। राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ही एकमात्र मूलमंत्र है।

चतुर्वेदी हाल ही जयपुर के मीनाक्षी होटल में लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान द्वारा दृष्टिबाधित बंधुओं के लिए आयोजित डेजी प्लेयर वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। चतुर्वेदी ने कहा कि दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों को चाहिए कि वे अपना लक्ष्य तय कर पूरे मनोयोग से आगे बढ़े और समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांग बंधुओं की उन्नति और उन्हें संबल देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य सरकार ने दिव्यांगों के कल्याण एवं विकास के लिए अनेक योजनाएं चला रखी है जिसका उन्हें लाभ उठाना चाहिए। चतुर्वेदी ने दिव्यांग बंधुओं की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द विजुअली हैंडीकैप्ड, देहरादून द्वारा लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान को दृष्टिबाधित बंधुओं के लिए उपलब्ध कराए गए प्लेक्स टॉक पीटीवी 1 (डेजी प्लेयर) वितरण समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने 71 दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों को प्लेक्स टॉक पीटीवी 1 वितरित किए।

कार्यक्रम के प्रायोजक दीपशिखा संस्थान के अध्यक्ष प्रेम सुराणा, लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान के अध्यक्ष एम.पी.गुप्ता, सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, भाजपा युवा मोर्चा वार्ड 52 के उपाध्यक्ष पुनीत बहल और संस्थान के अन्य पदाधिकारियों ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

नारायण सेवा को एंबुलेंस भेंट

उदयपुर। पोंछ लो आंसू किसी के और दुःखों को बाँट लो, मूल मंत्र है जिंदगी का प्यार दो और प्यार लो। नारायण सेवा संस्थान के जनक डॉ. कैलाश मानव की इन्हीं पंक्तियों को साकार रूप प्रदान करते हुए, दिल्ली से पधारीं, कुमारी सरोज कपूर ने दिव्यांग बंधुओं की सहायता हेतु एंबुलेंस भेंट की। संस्थान अध्यक्ष डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि कुमारी सरोज कपूर ने अपने स्वर्गीय माता-पिता की पावन स्मृति में, संस्थान की सेवा हेतु ये शुभ कार्य किया। इस अवसर पर संस्थान सह-संस्थापिका श्रीमती कमला अग्रवाल, संघ प्रचारक श्री राजेंद्र चड्ढा, राजीव चड्ढा, आर.पी.एस.सी के पूर्व चेयरमैन गोविंद सिंह टाँक, उदयपुर लाफ्टर क्लब के सदस्य ओम प्रकाश टाँक आदि उपस्थित थे। संचालन महिम जैन ने किया।

नेत्रदान महादान

नेत्रदान किसी भी आयु, लिंग या रक्त ग्रुप का हो सकता है।

नेत्रहीन बच्चों को खाना नहीं मिलने की खबर पर आयोग ने मांगा जवाब

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने ग्वालियर स्थित माधव नेत्रहीन आश्रम में नौ बच्चों को दो दिन से कथित तौर पर खाना नहीं मिलने से जुडी खबर पर संज्ञान लेते हुए जिम्मेदारों से जवाब मांगा है।

आयोग के जनसंपर्क अपर संचालक एलआर सिसौदिया की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक ग्वालियर स्थित इस आश्रम में नेत्रहीन नौ बच्चों को दो दिन से खाना नहीं मिलने की टेलीविजन पर आ रही खबर पर आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस बारे में ग्वालियर संभागायुक्त और कलेक्टर से प्रतिवेदन दिए जाने को कहा है। आयोग ने इस बारे में संभागायुक्त और कलेक्टर को पत्र भेजे हैं।

छियासी प्रतिशत पेंशनरों को भामाशाह से जोड़ा

जयपुर, 9 मई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में राज्य में वृद्धावस्था, विधवा व विकलांग पेंशनरों में 86 प्रतिशत पेंशनरों को भामाशाह योजना से जोड़ा गया है। अतिरिक्त निदेशक (पेंशन) श्री डी.सी. चौधरी ने बताया कि राज्य में 30 अप्रैल, 2016 तक 57.81 लाख पेंशनर थे जिसमें से 49.46 लाख पेंशनरों को भामाशाह योजना से जोड़ा जा चुका है। इनमें 43.83 लाख पेंशनरों को भामाशाह शिविरों एवं 7.05 लाख पेंशनरों को ई-मित्र केन्द्रों के माध्ययम से सीडेड किया गया है। उन्होंने बताया कि 51.69 लाख पेंशनरों को पेंशन का भुगतान खातों के माध्यम से किया गया है जिसमें से 48.49 लाख पेंशनरों को बैंक खातों के माध्यम से, पोस्ट ऑफिस खातों से 18 हजार व मनीऑर्डर के माध्यम से 3.00 लाख पेंशनरों को भुगतान किया गया है। श्री चौधरी ने बताया वर्ष 2015-16 में 33.47 लाख एवं 2016-17 में 5.29 लाख पेंशनरों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

निवेदन है
प्यारे दोस्तो,
गरमी बढ़ने लगी है, प्रत्येक वर्ष हज़ारों पंछी प्यास के कारण मर जाते है अतः आप से निवेदन है कि अपने घर की छत या दीवार पर एक पानी का बरतन ज़रूर रखे ताकि प्यासे पंछी अपनी प्यास बुझा सके !
आपको मन की शांति मिलेगी.

सौजन्य : आशादीप संस्थान, जयपुर